✆ 9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

विषय :- राजनीति विज्ञान

I-Grade Teacher

1. राजनीतिक सिद्धांत : अर्थ व उपयोगिता
(Political Theory : Meaning and its utility)

* अर्थ :- 'राजनीति' शब्द अंग्रेजी भाषा के 'POLITICS' शब्द का हिन्दी में रूपान्तरण है। जो ग्रीक/लेटिन भाषा के 'POLIS' शब्द से बना है जिसका अर्थ ग्रीक भाषा में 'नगर-राज्य' होता है। ग्रीक में छोटे-2 नगर राज्य होते थे जो स्वतंत्र रूप से संगठित होते थे। ग्रीक विद्वानों ने राजनीति शब्द का प्रयोग राज्य से सम्बन्धित कला के रूप में किया। धीरे-धीरे राज्यों का स्वरूप बदला तथा आकार में महान परिवर्तन आया जिससे लोगों की धारणा में परिवर्तन आया और वे विस्तृत तरीके से सोचने लगे और आज इसका नाम राजनीतिशास्त्र सर्वाधिक प्रचलित हो गया है।

राजनीति → POLITICS → ग्रीक : POLIS → अर्थ : नगर-राज्य

* 'राजनीतिक' शब्द का अर्थ – 'सार्वजनिक हित का विषय'
* 'सिद्धान्त' शब्द का अर्थ - 'साध्य मानव जाति की प्रगति का उपकरण'
* थ्योरी (Theory) शब्द ग्रीक भाषा के 'थ्योरिया' (Theories) से बना है जिसका अर्थ है – 'समझने की दृष्टि'
* सिद्धान्त ज्ञान होता है जिसे विषय के तथ्यों से प्राप्त किया जा सकता है। जिससे उस विषय का अर्थ तथा महत्व का बोध होता है। यह एक विश्लेषणात्मक युक्ति है जिसकी सहायता से तथ्यों की व्याख्या तथा उनके विषयों में भविष्यवाणी की जा सकती है। अतः ज्ञान लोगों को जागरूक करता है।
* अतः सिद्धान्त व्याख्यात्मक/सामान्यीकरणों का सुगठित समुच्चय होता है, जो ज्ञान के किसी क्षेत्र की व्याख्या करने में सक्षम हो।
* राजनीतिक सिद्धान्त का अर्थ – राजनीतिक व्यवस्था/क्रियाओं के वे सामान्य सिद्धान्त जो उनसे सम्बन्धित समस्त तथ्यों की व्याख्या करता है। ऐसे सिद्धान्तों का निर्माण राजनीतिक तथ्यों का वर्णन, वर्गीकरण, परीक्षण एवं राजनीतिक व्यवहार के सम्बन्ध में परिनियमों की स्थापना द्वारा वस्तुनिष्ठ आंकड़ों व पर्यवेक्षणीय अनुभव के संदर्भ में व्यवस्थित बनाकर किया जाता है जैसे-
  - हमें सरकार की आवश्यकता क्यों है?
  - सरकार का सबसे अच्छा विकल्प कौनसा है?
  - सरकार/शासन की अपने नागरिकों के प्रति क्या जिम्मेदारी होती है?
  - नागरिक के रूप में हमारा क्या दायित्व है
* उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर की पड़ताल हेतु हमें स्वतंत्रता, समानता और न्याय जैसे मूल्यों की जानकारी प्राप्त करने के लिए राजनीतिक सिद्धान्त का अध्ययन जरूरी हो जाता है।

* ईजाक के अनुसार - "राजनीतिक सिद्धान्त सामान्यीकरण का समुच्चय होता है। इसमें हमारे द्वारा प्रत्यक्षतः परिचित तथा परिचालनात्मक रूप से परिभाषित अवधारणाएं होती है इसके अलावा महत्वपूर्ण सैद्धान्तिक अवधारणाएं पायी जाती है जो हालांकि पर्यवेक्षण से प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित नहीं होती है फिर भी इन अवधारणाओं से जुड़ी होती है।

* कार्ल जे. पोपर के अनुसार - "सिद्धान्त एक प्रकार का जाल है, जिसमें जगत को पकड़ा जा सकता है, ताकि उसे समझा जा सके। सिद्धान्त एक अनुभवपरक व्यवस्था के प्रारूप की अपने मन की आँख पर बनाई गयी रचना है।"

* अतः राजनीतिक शासन उसके रूपों, कार्यों का अध्ययन पूर्ण तत्वों के रूप में न करके, जब लोगों की आवश्यकताओं, आकांक्षाओं तथा मतों को ध्यान में रखकर किया जाए तब उसे राजनीतिक सिद्धान्त के नाम से जाना जाता है।

उद्देश्य :

* राजनीतिक सिद्धान्त का उद्देश्य -
  - नागरिकों को राजनीतिक प्रश्नों के बारे में तर्कसंगत ढंग से सोचने,
  - सामाजिक - राजनीतिक घटनाओं को सही तरीके से आँकने का प्रशिक्षण देना।

राजनीतिक सिद्धान्त की उपयोगिता :

* राजनीतिक सिद्धान्त स्वतंत्रता, समानता, न्याय, लोकतंत्र व धर्मनिरपेक्षता जैसी अवधारणाओं को स्पष्ट करता है।
* हमारे सामाजिक जीवन, सरकार व संविधान से जुड़े विचारों को प्रतिबिम्बित करता है।
* कानून का शासन, अधिकारों का बंटवारा व न्यायिक पुनरावलोकन जैसी नीतियों की सार्थकता की जाँच करता है।
* इससे राजनीतिक सिद्धान्तकार वर्तमान राजनीतिक अनुभवों का अध्ययन कर भावी रूझानों तथा संभावनाओं को प्रकट करता है।
* हमें राजनीतिक वस्तुओं के बारे में अपने विचारों व भावनाओं के परीक्षण के लिए प्रोत्साहित करता है। थोड़ी सतर्कता से हम अपने विचारों व भावनाओं में उदार हो जाते हैं
* राजनीतिक सिद्धान्त हमें शिक्षित व सचेत नागरिक राजनीति करने वालों को जनाभिमुख बनाते हैं।
* राजनीतिक सिद्धान्त निम्नलिखित हेतु प्रासंगिक -
  - राजनेता
  - नीति-निर्माता नौकरशाह
  - राजनीति सिद्धान्त पढ़ाने वाले अध्यापकों
  - वकीलों, जजों
  - पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं
  - शोषण का पर्दाफाश करने वाले कार्यकर्ताओं

www.shriramedu.com
✆ 9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर ✆ 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

* उपयोगिता :

- छात्र हेतु उपयोगी इसलिए हैं क्योंकि छात्र भी उपरोक्त पेशा भविष्य मे चुनेगा

* इन सिद्धान्तों से हमारे में परिपक्वता आती है जिससे न्याय व समानता के बारे में अपने विचारों को परिष्कृत करके तर्क-वितर्क करने में मदद मिलती हैं।
* लोकतंत्र में नागरिकों को मत देने और अन्य मसलों पर फैसला लेने की दृष्टि से प्रभावी
* राजनेताओं को समाज व जनता के हित मे कार्य करने को प्रोत्साहित करते हैं।
* हम विचारशील व परिपक्व होकर अपने साझा हितों को गढ़ने और व्यक्त करने के लिए नए माध्यमों का प्रयोग करते हैं।
* राजनीतिक अवधारणाओं की नित नई व्याख्याओं को समझने मे उपयोगी
* स्वतंत्रताओं के संभावित खतरों के नए आयामों से जुड़े प्रश्नों के उत्तर हेतु।
* बुनियादी ज्ञान, उचित व अनुचित निर्णयों में भेद करने का ज्ञान एक नागरिक के लिए गणित के ज्ञान की तरह उपयोगी है।

राजनीतिक सिद्धान्तों का व्यवहारिक प्रयोग के उदाहरण

- अवसर की समानता कब प्राप्त हो?
- कब लोगों से विशेष बर्ताव हो?
- क्या गरीब बच्चों को स्कूल में बने रहने हेतु दोपहर भोजन देना चाहिए?

राजनीतिक सिद्धान्त की पहचान करे -

* मुझे विद्यालय मे कौनसा विषय पढ़ना है, यह तय करना मेरा अधिकार है → स्वतंत्रता
* छूआछूत की प्रथा का उन्मूलन कर दिया गया है - स्वतंत्रता
* कानून के समक्ष सभी भारतीय समान हैं - समानता
* अल्पसंख्यक समुदाय के लोग अपनी पाठशालाएं और विद्यालय स्थापित कर सकते हैं - स्वतंत्रता
* भारत की यात्रा पर आए विदेशी, भारतीय चुनाव में मतदान नहीं कर सकते - नागरिकता
* विद्यालय के वार्षिकोत्सव योजना बनाते समय छात्र-छात्राओं से सलाह ली जानी चाहिए - स्वतंत्रता
* गणतंत्र दिवस पर प्रत्येक को भाग लेना चाहिए - स्वतंत्रता लोकतंत्र

प्रमुख तथ्य :

* "हम चाहे राजनीति की चिंता न करे लेकिन राजनीति हमारी चिंता अवश्य करती है।" - जी.डी.एच.कोल
* "राजनीतिक सिद्धान्त राजनीति के संचालन के साथ-2 राजनीतिक अध्ययन के लिए भी उपयोगी होता है।" - डब्ल्यू.टी. ब्लूम।
* "जब मैं परीक्षा में ऐसे प्रश्न समूह को देखता हूं जिनका शीर्षक राजनीति विज्ञान होता है, मुझे प्रश्नों पर नहीं बल्कि शीर्षक पर खेद होता है।" - मैटलैण्ड
* "राजनीति ने हमें साँप की कुण्डली की तरह जकड़ रखा है।" - गाँधी जी

* Books :
- पॉलिटिक्स - अरस्तू
- द रिपब्लिक - प्लेटो
- पॉलिटिक्स : हू गेट्स, व्हाट, व्हेन एण्ड हाऊ - लॉसवेल
- अथोरिटी एण्ड इण्डीजवल - सेबाइन

* 'राजनीतिक सिद्धान्त' के दो रूप है - मानकात्मक व अनुभववादी ।
* अरस्तू ने राजनीति को 'सर्वोच्च-विज्ञान' की संज्ञा दी ।
* इंटरनेट का प्रयोग करने वाले - नेटिजन
* सर्वप्रथम रूसो ने सिद्ध किया कि स्वतंत्रता मानवमात्र का मौलिक अधिकार है।
* राजनीति शास्त्र का पिता - अरस्तू (प्रथम राजनीतिक वैज्ञानिक